डिस्पोज़ेबल कप्स और मधुमक्खियों की शामत

मधुमक्खियों की बस्तियों में गिरावट के चलते कृषि उत्पादकता में कमी की खबरें दुनिया भर से मिल रही हैं। मधुमक्खियों की संख्या में कमी के कई सारे जैविक व भौतिक कारण बताए गए हैं। जैसे बीमारियां, कीटनाशक, पर्यावरणीय तनाव वगैरह। वैसे इस संदर्भ में पर्यावरण-जनित कारणों का अध्ययन बहुत कम हुआ है।

हाल में मदुरै कामराज विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के एस. चंद्रशेखरन व उनके साथियों ने पर्यावरण के अजीबो-गरीब कारक को मधुमक्खियों की संख्या में गिरावट के लिए ज़िम्मेदार पाया है। अपने अध्ययन में उन्होंने देखा कि डिस्पोज़ेबल कागज़ी कपों के इस्तेमाल की इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि इन कागज़ी कपों का इस्तेमाल आजकल कई पेय पदार्थों के सेवन में किया जाता है। बाद में इनमें शक्कर युक्त अवशेष रह जाते हैं। इसे पाने के लिए मधुमक्खियां इन पर मंडराती रहती हैं और फूलों पर जाना भूल जाती हैं। ये कप भोजन का स्रोत न रहकर मौत के कुएं बन जाते हैं।

चंद्रशेखरन व साथियों ने मई 2010 से एक वर्ष तक पांच कॉफी हाउसों में मधुमक्खियों का अवलोकन किया। इन कॉफी हाउसों में औसतन प्रतिदिन करीब 1225 तक कागज़ी कप फेंके जाते हैं।

देखा गया कि जब मधुमक्खियां शकर का घोल पीने इन कपों पर आती हैं, तो प्रायः इनमें गिर जाती हैं। इसकी वजह से हरेक दुकान में प्रतिदिन औसतन 168 मधुमक्खियां मारी गईं। शोधकर्ताओं ने इन पांच कॉफी हाउसों में 30 दिन की अवधि में 25,211 मधुमक्खियों को मरते देखा। मृत्यु दर पर कप की गहराई, बचे हुए पदार्थ की मात्रा वगैरह का असर पड़ता है। बाद में जब ये कप रीसायक्लिंग के लिए भेजे जाते हैं तो वे मक्खियां भी मार डाली जाती हैं जो चाशनी में डूबने से बच गई होती हैं। यहां प्रतिदिन करीब 700 मधुमक्खियां मारी जाती हैं।

अवलोकनों से यह भी पता चला है कि मधुमक्खियां तभी इन कपों की ओर आकर्षित होती हैं जब फेंके गए कप्स की संख्या काफी अधिक हो (करीब 300 कप से ज़्यादा) और इनका ढेर काफी लंबे समय तक लगा रहे। अलबत्ता, एक बार जब वे किसी ढेर पर आने लगती हैं तो उसके बाद नियमित रूप से आती रहती हैं।

एक अनुमान के मुताबिक दुनिया भर में रोज़ाना 2 अरब ऐसे कागज़ी कपों का उपयोग होता है। यदि इस अध्ययन के आंकड़ों के मद्देनज़र देखा जाए, तो ये फेंके गए कागज़ी कप मधुमक्खियों के सफाए में एक बड़ा कारक हो सकते हैं। ***(स्रोत फीचर्स)***